मेरे गुनाह के लिए तूने सजा

चाबुक की मार से

कुछ न दिया मैंने कुछ न किया

बदले में प्‍यार के

ये क्‍या किया तूने क्‍यो ये किया

जान देके तूने ये जीवन दिया (2)

1. दर्द था मेरा जो तूने सहा,

चढ़के सलीब पे

कर्जा किया मेरा तूने अदा,

काँटों और कीलों से

फिर भी न कम हुआ प्रेम तेरा

जान देके तूने ये जीवन दिया

2. मरते हुऐ माफ़ करके गया जुल्‍म

सितम मेरे

मेरे लिए तू ने खाई सदा

दुनिया की ठोकरे

फिर भी न कम हुआ प्रेम तेरा

जान देके तूने ये जीवन दिया